Digitized by KMV College Library, Jalandhar

28/11/18

pExam Code: 216301 **Paper Code: 8263 (20)**

Programme: M.A. (Hindi) Sem-I

Course Title: आधुनिक हिन्दी काव्यः द्विवेदीयुगीन एवं छायावादी

Course Code: MHIL-1261

Time Allowed: 3 Hours **Max Marks: 64**

नोटः भाषा की शुद्धता को ध्यान में रखते हुए निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। प्रथम भाग अनिवार्य है। प्रथम भाग में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। भाग दो, तीन, चार, पाँच में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देते हुए किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग–एक

नोटः– किन्हीं चार पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या करें। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों /दो पृष्ठों में दें।

1. "उस रून्दती विरहिणी के रुदन–रस के लेप से,
और पाकर ताप उसके प्रिय–विरह–विक्षेप से,
वर्ण–वर्ण सदैव जिनके हो विभषण कर्ण के,
क्यों न बनाते कविजनों के ताम्रपत्र सुवर्ण के?"

2. "रस है बहुत, परन्तु सखी, विष है विशम प्रयोग।
बिना प्रयोग्ता के हुए, यहां भोग ही रोग!"

कन्या महा विद्यालय पुस्तकालय
जालन्धर शहर

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

3. "कौन हो तुम वसंत के दूत विरस पतझड़ तें अति सुकुमार!
"घन तिमिर में चपला की रेख, तपन में शीतल मंद बयार।"

4. "समरस थे जड़ या चेतन सुन्दर साकार बना था,
चेतनता एक विलसती आनन्द अखंड घना था।"

5. "धन्ये, मैं पिता निरर्थक था,
कुछ भी तेरे हित न कर सका!
जना तो अर्थागमोपाय,
पर रहा सदा संमुचित–काय
लखकर अनर्थ आर्थिक पथ पर
हारता रहा मैं स्वार्थ–समर।"

6. "मित्रवर, विजय होगी न,
समर यह नहीं रहा नर वानर का राक्षस से रण,
उतरी पा महाशक्ति रावण से आमन्त्रण,
अन्याय जिधर, है उधर शक्ति।" 4X4=16

नोटः– भाग दो, तीन, चार, पाँच में कुल आठ प्रश्न पूछे गए हैं। प्रत्येक भाग में से एक –एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पाँच पृष्ठों तक सीमित हो।

भाग–दो

1. 'उर्मिला का चरित्र विरह की साक्षात प्रतिमा है।' साकेत महाकाव्य के आधार पर स्पष्ट करें।

या

'राम की शक्ति पूजा' कविता का उद्देश्य स्पष्ट करें। 1X12=12

भाग–तीन

2. द्विवेदीयुगीन कवि श्री मैथिलीशरण गुप्त के जीवन–दर्शन पर प्रकाश डालें।

या

साकेत के नवम् सर्ग के अभिव्यक्ति पक्ष और अभिव्यंजन पक्ष की समीक्षा करें। 1X12=12

भाग–चार

3. 'कामायनी' महाकाव्य की अन्तर्वस्तु पर प्रकाश डालें।

या

'महाकाव्य के विविध तत्वों के आधार पर 'कामायनी' महाकाव्य अत्युत्तम कृति है।' तथ्य की समीक्षा करें। 1X12=12

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

भाग–पाँच

4. छायावादी काव्यधारा में सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' का स्थान निर्धारित करें।

या

5. 'सरोज स्मृति' कविता कथ्य और शिल्प की दृष्टि से अप्रतिम रचना है।' स्पष्ट करें।

1X12=12

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Exam Code : 216301 **Paper Code : 8264 (20)**

Programme : M.A. (Hindi) Semester-I

Course Title: हिन्दी साहित्य का इतिहास (खंड- एक)

Course Code: MHIL-1262

Time Allowed: 3 Hours **Max Marks: 64**

किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दें। उत्तर–सीमा 250 शब्द है। दो पृष्ठ हैं। 4X4X16

प्रथम भाग

1. पृथ्वीराज रासो के काव्य वैशिष्टय पर टिप्पणी लिखें।

2. सूरदास की रचनाओं का प्रधान रस क्या है ?

3. पद्मावत अन्योक्ति काव्य है या समासोक्ति काव्य?

4. राम काव्यधारा के प्रमुख कवि तुलसीदास का काव्य परिचय लिखें।

5. मीराबाई की भक्ति–भावना पर नोट लिखो।

6. सिद्ध, नाथ और जैन साहित्य का परिचय दें।

कन्या महा विद्यालय पुस्तकालय
जालन्धर शहर

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

7. रीति कालीन गद्य साहित्य पर टिप्पणी लिखें।

8. हिन्दी साहित्य का आरम्भ कब से माना जा सकता है और क्यों?

प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर दें। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों पांच पृष्ठों में देना अनिवार्य है। 12X4=48

भाग दो

1. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन को परम्परा की सविस्तार व्याख्या करें।

2. हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन करते हुए, प्रमुख कालों के नामकरण पर विस्तृत टिप्पणी करें।

भाग तीन

1. आदि काल की साहित्यिक प्रवृत्तियों पर सारगमित लेख लिखें।

2. आदि काल में रचित रासो काव्य परम्परा का उल्लेख करते हुए, रासो काव्य की विशेषताएं लिखें।

भाग-चार

1. निर्गुण काव्यधारा का परिचय देते हुए, प्रमुख संत कवियों के साहित्यिक अवदान को स्पष्ट करें।

2. भक्ति काल की विभिन्न काव्यधाराओं का परिचय देते हुए, भक्ति शाखा की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालें।

भाग पांच

1. रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और काल सीमा पर विस्तार से चर्चा करें।

2. रीतिकालीन साहित्य की विशेषताएं अपने शब्दों में लिखें।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Exam Code: 216301 **Paper Code: 8265 (20)**

Programme: M.A. (Hindi) Sem-I

Course Title: भारतीय काव्य शास्त्र एवं साहित्यलोचन

Course Code: MHIL-1263

Time Allowed: 3 Hours **Max Marks: 64**

नोटः भाषा की शुद्धता को ध्यान में रखते हुए निर्देषानुसार उत्तर दीजिए। भाग एक अनिवार्य है। प्रथम भाग में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर 250 शब्दों में होना चाहिए। भाग दो, तीन, चार, पाँच में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देते हुए किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 1000 शब्दों में होना चाहिए।

भाग–एक

1. मुक्तक काव्य से क्या अभिप्राय है? 4

2. 'वाणी के विलक्षण व्यापार का नाम वक्रोकित है।' इस कथन पर विवेचन कीजिए? 4

3. रीति को परिभाषित करते हुए पांचाली रीति पर प्रकाश डालिए? 4

4. शब्द शक्ति का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 4

5. काव्य में औचित्य का स्थान निर्धारित कीजिए? 4

6. तुलनात्मक आलोचना के भेदों की चर्चा करें। 4

कन्या महा विद्यालय पुस्तकालय
जालन्धर शहर

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

भाग–दो

7. काव्य हेतु से क्या अभिप्राय है? विभिन्न काव्य हेतुओं को सोदाहरण समझाइए? 12

8. महाकाव्य किसे कहतें है? पाश्चात्य एवं भारतीय दृष्टिकोण से महाकाव्य के लक्षणों की चर्चा कीजिए? 12

भाग–तीन

9. 'साधारणीकरण' से क्या तात्पर्य है? इस सम्बन्ध में विभिन्न आचार्यों के मतो का उल्लेख करते हुए रसानुभूति में साधारणीकरण का योगदान बताइए? 12

10. अलंकारों का वर्गीकरण प्रस्तुत कीजिए? 12

भाग–चार

11. ध्वनि के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए, ध्वनि सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाओं पर प्रकाश डालिए? 12

12. रीति –सम्प्रदाय का सामान्य परिचय देते हुए रीति और शैली में अंतर स्पष्ट कीजिए। 12

भाग–पाँच

13. मनोविश्लेषणवादी आलोचना से क्या अभिप्राय है? विभिन्न आचार्यों द्वारा निर्दिष्ट मनोविश्लेषणवादी समीक्षा की मान्यताएं बताइए? 12

14. आचार्य क्षेमेन्द्र के औचिय सिद्धांन्त की विवेचना करते हुए काव्य में औचित्य का महत्त्व रेखांकित कीजिए? 12

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Exam Code: 216301 Paper Code: 8266 (20)

Programme: M.A. (Hindi) Sem-I

Course Title : प्रयोजनमूलक हिन्दी

Course Code: MHIL-1264

Time Allowed: 3 Hours **Max Marks: 64**

प्रश्न पत्र के कुल पाँच भाग हैं। भाग एक सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित है। इस भाग में छः प्रश्न व्याख्या से सम्बन्धित हैं, जिनमें से परीक्षार्थी कोई चार प्रश्न करें। प्रत्येक व्याख्या 250 शब्दों /दो पृष्ठों में करें। प्रत्येक के चार अंक हैं।

भाग दो तीन, चार , पाँच में कुल आठ प्रश्न पूछे गए हैं; प्रत्येक भाग में से एक–एक प्रश्न करें। प्रत्येक प्रश्नोत्तर के बारह अंक हैं। प्रश्नोत्तर 1000 शब्दों / पाँच पृष्ठों तक सीमित हो।

भाग–एक

नोटः इस भाग में से चार प्रश्न कीजिए।

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी की आवश्यकता पर नोट लिखें या संक्षेशण से क्या अभिप्राय है।
2. पल्लवन की परिभाषा देते हुए उसके महत्त्व और उपयोगिता पर प्रकाश डालें।
3. 'वैब पब्लिशिंग' से क्या अभिप्राय है।
4. राजकीय पत्र का प्रारूप दीजिए।
5. कंप्यूटर के प्रकार्यों और महत्त्व की चर्चा कीजिए।
6. हिन्दी पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के स्रोत स्पष्ट कीजिए।

कन्या महा विद्यालय पुस्तकालय
जालन्धर शहर

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

नोटः भाग दो, तीन, चार, पाँच में से एक एक प्रश्न करना अनिवार्य है।

भाग–दो

1. राज भाषा, मानक भाषा, मातृभाषा और माध्यम भाषा पर नोट लिखें।

अथवा

टिप्पण की परिभाषा बताते हुए उसके प्रकारों की चर्चा कीजिए।

भाग–तीन

1. कंप्यूटर का परिचय देते हुए उसकी संरचना और क्षेत्र का विवेचन कीजिए।

अथवा

इंटरनेट सम्पर्क उपकरणों के रख–रखाव की आवश्यकता तथा प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए।

भाग–चार

1. ई–मेल प्रेषण तथा प्राप्ति की प्रक्रिया पर सोदाहरण विस्तार से प्रकाश डालिए।

अथवा

इंटरनेट एक्सप्लोरर तथा नेटस्केप नेवीगेर के बारे में आप क्या जानते है।

भाग–पाँच

नोटः निम्नलिखित शब्दावली का हिन्दी रूप बताएं।

a. Bill may be returned with the following objections
b. Call for quotation
c. Draft need not be issued
d. Expedite it
e. Granted
f. Keep with the files
g. May be filed
h. No-objection certificate may be given
i. Please speak
j. Reminder may be sent
k. May be rejected
l. May be consulted with finance Ministry

OR

a. Auxiliary Tree
b. Chip
c. Bit
d. Calculus
e. Domain
f. File
g. Generation
h. Inter Lingua
i. Jacket
j. Mode
k. Margin
l. Access

12x4=48

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Exam Code: 216301 **Paper Code: 8267 (20)**

Programme: M.A. (Hindi) Sem-I

Course Title: भारतीय काव्य शास्त्र एवं साहित्यलोचन

Course Code: MHIL-1265

Time Allowed: 3 Hours **Max Marks: 64**

प्रश्न पत्र के कुल पाँच भाग हैं। भाग एक सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित है। इस भाग में छः प्रश्न व्याख्या से सम्बन्धित हैं, जिनमें से परीक्षार्थी कोई चार प्रश्न करें। प्रत्येक व्याख्या 250 शब्दों /दो पृष्ठों में करें। प्रत्येक के चार अंक हैं।

भाग दो तीन, चार , पाँच में कुल आठ प्रश्न पूछे गए हैं; प्रत्येक भाग में से एक–एक प्रश्न करें। प्रत्येक प्रश्नोत्तर के बारह अंक हैं। प्रश्नोत्तर 1000 शब्दों / पाँच पृष्ठों तक सीमित हो।

भाग–एक

1. सेत सेत सब एक से, जहाँ कपूर कपास।
ऐसे देश कुदेश में, कबहुं न कीजै वास।।

2. अरे बाप रे बाप फांसी! मैंने किसकी जमा लूटी है,
कि मुझको फांसी! मैंने किसके प्राण मारे कि मुझको फांसी!

3. सौभाग्य और दुर्भाग्य मनुष्य की दुर्बलता के नाम हैं। मैं तो पुरूषार्थ को ही सबका नियामक समझता हूँ! पुरूषार्थ ही सौभाग्य की खींच लाता है।

कन्या महा विद्यालय पुस्तकालय
जालन्धर शहर

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

4. राजनीति के पीछे नीति से भी हाथ न धो बैठो,
जिसका विश्व मानव के साथ व्यापक सम्बन्ध है।
राजनीति की साधारण छलनाओं से सफलता प्राप्त करके क्षण–भर के लिए तुम अपने को चतुर समझने की भूल कर सकते हो, परन्तु इस भीषण संसार में एक प्रेम करने वाले हृदय को खो देना, सबसे बड़ी हानि है।

5. शक्ति हमेशा ऊपर के लोगों के हाथ रही है। नीचे का सारा रक्त युगों से ठंडा हो चुका है। तभी वहाँ भाग्य है, धर्म है और न जाने कितनी कितनी कथाएं दबी हैं उस बर्फ की धरती में।

6. यह सारा जगत् सारी सृष्टि एक पदार्थ है। जिसमें दो विरोधी तत्व हैं। उसी संघर्ष की धुरी पर सब कुछ गतिमान है। जो दृश्य है, वहीं सत्य है। 4X4=16

भाग–दो

1. 'अन्धेर नगरी' अपने यथार्थवाद के कारण आज भी प्रांसगिक है– सिद्ध करें।

अथवा

'अन्धेर नगरी' में सामाजिक चेतना पर अपने विचार व्यक्त करें।

1X12=12

भाग–तीन

2. 'एक सत्य हरिश्चन्द्र' नाटक के शीर्षक की सार्थकता पर विचार करें।

अथवा

'एक सत्य हरिश्चन्द्र' नाटक की मूल समस्या पर विचार करें। 1X12=12

भाग–चार

3. ध्रुवस्वामिनी एक समस्या नाटक है– स्पष्ट करें।

अथवा

ध्रुवस्वामिनी में नारी समस्या को रेखांकित करें। 1X12=12

भाग–पाँच

4. भारतेन्दु युगीन रंगमंच की दशा व दिशा पर विचार व्यक्त करें।

अथवा

अभिनेता की दृष्टि से 'एक सत्य हरिश्चन्द्र' नाटक का मूल्यांकन करें।

1X12=12